CWDL-3

CERTIFICATE PROGRAMME IN EMPOWERING WOMEN THROUGH SELF-HELP GROUPS

Term-End Examination

December, 2007

CWDL-3 : DEVELOPMENT THROUGH SELF-HELP GROUPS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt any* ***five*** *questions. All questions carry equal marks.*

1. With the help of an example of an income generation activity illustrate all the three stages of an enterprise i.e. identification of opportunities, consolidation of resources, implementation of the enterprise idea. 20

2. How many types of an enterprise are there ? Explain each of them giving examples. 20

3. "Group enterprises are the best forms of organization for poor people's business." Comment on the above statement with illustrations/examples. 20

4. Read the following passage then answer the questions :

Deepika wanted to obtain a Diploma in Computer Application. But her family could not afford the fee. She had two options : either to take a loan from her self-help group to meet her fee expenses or go to the money-lender.

(a) Which option should Deepika select ? Why ? 4

(b) Explain what is meant by credit. 6

(c) Do you think Deepika's credit needs are for production or consumption ? Explain. 10

5. Women face relatively greater difficulties in becoming entrepreneurs. Explain and enumerate the factors responsible for the difficulties. 20

6. The four aspects of marketing are Product, Price, Promotion and Place. What is the contribution of each of these to successful marketing ? 20

7. Discuss with examples the credit needs of the rural poor. Explain various sources of credit. 20

8. Discuss with examples micro-credit as a means of poverty alleviation. Explain the relation between micro-credit and self-help groups. 20

9. Explain the different stages in starting and establishing an enterprise. 20

10. Write short notes on any ***two*** of the following : 20

(i) Assessment of business ideas

(ii) Fixed and variable costs

(iii) Elements of marketing

(iv) Roles of an ideal entrepreneur

सी.डब्ल्यू.डी.एल.-3

स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2007

सी.डब्ल्यू.डी.एल.-3 : स्व-सहायता समूहों के माध्यम से विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. आय-सृजन गतिविधि के एक उदाहरण की सहायता से उद्यम के तीनों चरणों अर्थात् अवसरों को पहचानना, संसाधनों का एकीकरण और उद्यम सम्बन्धी विचार का कार्यान्वयन, को स्पष्ट कीजिए । *20*

2. उद्यम कितने प्रकार के होते हैं ? प्रत्येक प्रकार की उदाहरण देते हुए व्याख्या कीजिए । *20*

3. "व्यापार करने के संदर्भ में गरीब लोगों के लिए सामूहिक उद्यम सबसे अच्छी संस्था है ।" उदाहरण देते हुए इस कथन पर टिप्पणी कीजिए । *20*

4. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और फिर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

दीपिका कम्प्यूटर अनुप्रयोग में डिप्लोमा करना चाहती है । लेकिन उसके परिवार वाले उसकी फीस नहीं दे सकते । अब उसके पास दो विकल्प हैं : अपने फीस सम्बन्धी खर्चों के लिए या तो वह स्व-सहायता समूह से ऋण ले या साहूकार से पैसा उधार ले ।

(क) दीपिका को किस विकल्प को चुनना चाहिए ? क्यों ? 4

(ख) क्रेडिट (ऋण) से क्या अभिप्राय है, स्पष्ट कीजिए । 6

(ग) आपके विचार में दीपिका की क्रेडिट ज़रूरतें उत्पादन से जुड़ी हैं या उपभोग से जुड़ी हैं ? व्याख्या कीजिए । 10

5. उद्यमी बनने के लिए महिलाओं को तुलनात्मक रूप से अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है । इन कठिनाइयों के लिए उत्तरदायी कारकों की व्याख्या कीजिए । 20

6. विपणन के चार पहलू हैं उत्पाद, कीमत, संवर्द्धन और स्थान । सफल विपणन में प्रत्येक का क्या योगदान है ? 20

7. उदाहरणों सहित ग्रामीण निर्धनों की ऋण सम्बन्धी आवश्यकताओं की विवेचना कीजिए । ऋण के विभिन्न स्रोतों की व्याख्या कीजिए । 20

8. गरीबी उन्मूलन के साधनों के रूप में माइक्रो-क्रेडिट की उदाहरणों सहित विवेचना कीजिए । माइक्रो-क्रेडिट और स्व-सहायता समूहों के बीच सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए । 20

9. उद्यम प्रारंभ व स्थापित करने के अंतर्गत जो विभिन्न अवस्थाएँ आती हैं उनकी व्याख्या कीजिए । 20

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : *20*

(i) व्यावसायिक विचारों का मूल्यांकन

(ii) स्थायी (निर्धारित) और परिवर्तनशील लागतें

(iii) विपणन के मूल तत्त्व

(iv) आदर्श उद्यमी की भूमिकाएँ